इतना तू करना स्वामी जब प्राण तन से निकले | By Pt. Manish Sharma

इतना तो करना स्वामी जब प्राण तन से निकले
गोविन्द नाम लेकर मेरे प्राण तन से निकले

श्री गंगा जी का पट हो यमुना का वंशीवट हो
मेरा सांवरा निकट हो जब प्राण तन से निकले
इतना तो करना स्वामी.....

पीताम्बरी कसी हो छवि मन में ये बसी हो
होंठों पे कुछ हंसी हो जब प्राण तन से निकले
इतना तो करना स्वामी.....

जब प्राण कंठ आगे कोई रोग ना सतावे
जम दर्श ना दिखाए जब प्राण तन से निकले
इतना तो करना स्वामी.....

एक भक्त की है अर्ज़ी खुदगर्ज़ की है गर्ज़ी
आगे तुम्हारी मर्ज़ी जब प्राण तन से निकले
इतना तो करना स्वामी.....

उस वक़्त जल्दी आना नहीं श्याम भूल जाना
राधे को साथ लाना जब प्राण तन से निकले
इतना तो करना स्वामी.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%87%e0%a4%a4%e0%a4%a8%e0%a4%be-%e0%a4%a4%e0%a5%82-%e0%a4%95%e0%a4%b0%e0%a4%a8%e0%a4%be-%e0%a4%b8%e0%a5%8d%e0%a4%b5%e0%a4%be%e0%a4%ae%e0%a5%80-%e0%a4%9c%e0%a4%ac-%e0%a4%aa%e0%a5%8d%e0%a4%b0/